भारत करेगा जूनियर निशानेबाजी विश्व कप की मेजबानी

जल्द जारी होगा कार्यक्रम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत को अगले साल के जूनियर विश्वकप की मेजबानी का अधिकार दिया गया है जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। भोपाल में 2023 में सीनियर विश्व कप और इस साल की शुरुआत में सत्र के अंत में हुए विश्वकप फाइनल के बाद यह हाल के दिनों में देश का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जिससे दुनिया में खेल के शीर्ष स्थलों में से एक के रूप में भारत की प्रतिष्ठा मजबूत होगी।

हालांकि टूर्नामेंट की तारीखों को अभी अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।

राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में मदद करने के तरीके की प्रशंसा की थी।

विजय हजारे ट्रॉफी में वैभव सूर्यवंशी ने रचा इतिहास

- ध्वस्त किया 25 साल पुराना रिकॉर्ड

नईदिल्ली, एजेंसी। युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (21 दिसंबर) को मध्य प्रदेश के खिलाफ विजय हजारे ट्रॉफी के अपने पहले मैच में बिहार के लिए खेलते हुए इतिहास रच दिया. उन्होंने एक बार फिर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करवा लिया. घरेलू क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद से ही वैभव लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं. अब उनके नाम भारतीय क्रिकेट में एक और रिकॉर्ड दर्ज हो गया है.

वैभव सूर्यवंशी लिस्ट ए क्रिकेट में हिस्सा लेने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं. अली अकबर का रिकॉर्ड वैभव ने तोड़ दियाहै. वह 13 साल और 269 दिन के हैं. 1999-2000 के सीजन में अकबर ने 14 साल और 51 दिन की उम्र में लिस्ट ए में डेब्यू किया था. वैभव अंडर-19 स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे युवा क्रिकेटर हैं. रणजी ट्रॉफी और लिस्ट ए क्रिकेट में खेलने वाले सबसे कम उम्र के भारतीय हैं.

डेब्यू मैच में फेल हो गए वैभव

वैभव सूर्यवंशी अपने पहले लिस्ट ए मैच को यादगार नहीं बना सके. बाएं हाथ का बल्लेबाज सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गया. पहली गेंद पर वैभव ने चौका लगाकर अपना खाता खोला. अगली ही गेंद पर वह कैच आउट हो गए. 46.4 ओवर में बिहार सिर्फ 196 रन ही बना सका.

डब्ल्यूडब्ल्यूई वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप के लिए खतरनाक मैच का ऐलान

2024 खत्म होने से पहले मिलेगा नया चैंपियन?

नईदिल्ली, एजेंसी। वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियन के रूप में गुंथर इस समय अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने खुद को अब खतरनाक हील के तौर पर स्थापित कर लिया है। एक वर्कहॉर्स टाइटल होल्डर वो बन गए हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई ने भी मेन रोस्टर में उन्हें अच्छा पुश दिया और शानदार बुकिंग की, जिसका फायदा समय-समय पर द रिंग जनरल ने उठाया। खैर मौजूदा चैंपियन ने अब एक ब्लॉकबस्टर ऐलान अपने फैंस के लिए किया है। उनका एक बार फिर डेमियन प्रीस्ट के साथ मैच होने वाला है। पिछले हफ्ते गुंथर ने अपनी चैंपियनशिप डेमियन प्रीस्ट और फिन बैलर के खिलाफ डिफेंड की थी। मैच काफी शानदार रहा था। गुंथर का जोरदार प्रदर्शन देखने को मिला था। अंत में उन्होंने अपना टाइटल भी जबरदस्त अंदाज में रिटेन किया। बैलर और डेमियन की राइवलरी भी लंबे समय से चल रही है। दोनों सुपरस्टार्स ने मुकाबले में तगड़ा एक्शन दिखाया था। गुंथर और डेमियन प्रीस्ट की राइवलरी भी कई महीनों से चल रही है। ये दोनों स्टार्स अब लाइव इवेंट में वर्ल्ड हैवीवेट चैंपियनशिप मैच लड़कर अपनी फ्यूड को जारी रखने के लिए तैयार हैं। द रिंग जनरल ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को बताया कि वो स्टील केज मैच में अपने कट्टर प्रतिद्वंदी प्रीस्ट का सामना करेंगे। 26 दिसंबर, 2024 को मैडीसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले लाइव इवेंट में दोनों की टक्कर होगी।

इंडिया-बांग्लादेश: वूमेंस एशिया कप फाईनल : 2024

भारतीय टीम ने जीता एशिया कप का खिताब

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-19 वूमेन्स एशिया कप 2024 का खिताब जीत लिया है. रविवार (22 दिसंबर) को कुआलालम्पुर के बयूमास ओवल में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने बांग्लादेश को 41 रनों से हराया.

फाइनल मुकाबले में बांग्लादेशी टीम को जीत के लिए 118 रनों का टारगेट मिला था, जिसका वह सफलतापूर्वक पीछा नहीं कर पाई. बांग्लादेश की टीम 76 रन पर ही ढेर हो गई. पहली बार यह टूर्नामेंट आयोजित हुआ है. ऐसे में भारतीय टीम ने खिताब जीतकर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की.

त्रिशा ने बल्ले से मचाई धूम

मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 117 रन बनाए. भारत की ओर से ओपनर गोंगाडी त्रिशा ने 47 गेंदों पर सबसे ज्यादा 52 रन बनाए. वहीं मिथिला विनोद (17 रन), कप्तान निकी प्रसाद (12 रन) और आयुषी शुक्ला (10 रन) भी दोहरे अंकों तक पहुंचने में कामयाब रहीं. बांग्लादेश की तरफ से फरजाना इस्मिन ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिए. वहीं निशिता अक्तेर निशि को दो और हबीबा इस्लाम को एक सफलता हाथ लगी. जवाब में बांग्लादेश की टीम 18.3 ओवरों में महज 76 रनों पर पैक हो गई.

विकेटकीपर जुएरिया फिरदौस ने 30 गेंदों पर सबसे ज्यादा 22 रन बनाए, जिसमें तीन चौके शामिल रहे. वहीं ओपनर फहोमिदा चोया ने 18 रन बनाए. इन दोनों के अलावा बाकी की बांग्लादेशी बल्लेबाज दोहरे अंकों तक नहीं पहुंच सकीं. भारतीय टीम की ओर से बाएं हाथ की स्पिनर आयुषी शुक्ला ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए. स्पिन गेंदबाजों सोनम यादव और परुणिका सिसोदिया को भी दो-दो सफलता हासिल हुईं. वीजे जोशिथा को भी एक विकेट हासिल हुआ.

पृथ्वी शॉ को अब करना होगा अर्जुन तेंदुलकर जैसा फैसला, तभी चमकेगा करियर

नईदिल्ली, एजेंसी। पृथ्वी शॉ घरेलू क्रिकेट में मुंबई की टीम के लिए खेलते हैं. मुंबई ने उन्हें वनडे टूर्नामेंट विजय हजारे ट्रॉफी से पहले 3 राउंड के लिए बाहर कर दिया है. हालांकि, इस फॉर्मेट में पृथ्वी का प्रदर्शन अच्छा रहा है लेकिन एसोसिएशन ने उनके फिटनेस और अनुशासन का हवाला दिया है. इसके बाद से एसोसिएशन और भारतीय क्रिकेटर बीच जुबानी जंग चल रही और ये मुद्दा गरमा गया है. हालांकि, ये पहली बार नहीं जब पृथ्वी शॉ को इस परिस्थिति का सामना करना पड़ा है. इससे पहले मुंबई ने उन्हें रणजी ट्रॉफी में भी ड्रॉप किया था. बार-बार ड्रॉप होने पृथ्वी शॉ का करियर खतरे में पड़ गया है, अगर उन्हें इसे बचाना है तो अर्जुन तेंदुलकर जैसा कदम उठाना होगा.

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन घरेलू क्रिकेट में मुंबई की टीम से ही कदम रखा था. उन्होंने 2021 में टी20 फॉर्मेट से डेब्यू किया था लेकिन खेलने के ज्यादा मौके नहीं मिलते थे. इसके बाद अगले ही साल अर्जुन ने अपना फैसला बदला और गोवा से लिए फर्स्ट क्लास डेब्यू. अब वो अक्सर इस टीम से खेलते हुए नजर आते हैं. रणजी के बाद अर्जुन विजय हजारे ट्रॉफी का भी हिस्सा हैं. उनसे पहले भी कई खिलाड़ी कमजोर टीमों से खेलने के बाद सफलता हासिल कर चुके हैं. उमेश यादव इसके बड़े उदाहरण हैं. वो टीम इंडिया के लिए टेस्ट मैच खेलने वाले विदर्भ की टीम के पहले खिलाड़ी बने थे. अगर पृथ्वी शॉ भी किसी छोटी या कमजोर टीम का रुख करते हैं तो उन्हें इसका फायदा मिल सकता है.

छोटी टीमों से कैसे बचेगा पृथ्वी का करियर?

पृथ्वी शॉ फिलहाल अपने टैलेंट का प्रदर्शन करने के लिए लगातार मौके की तलाश में हैं. इसी वजह से उनके और मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के बीच इसी को लेकर लड़ाई भी जारी है. घरेलू क्रिकेट में मुंबई की टीम सबसे मजबूतों टीमों में से एक मानी जाती है. इसमें कई स्टार क्रिकेटर खेल रहे हैं. इसलिए खराब फॉर्म से जूझ रहे पृथ्वी शॉ के लिए मौका मिलना और भी मुश्किल हो जाता है. अगर वो गोवा जैसी किसी छोटी टीम का रुख करेंगे तो उन्हें ज्यादा से ज्यादा मैच खेलने को मिलेगा.

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफीः

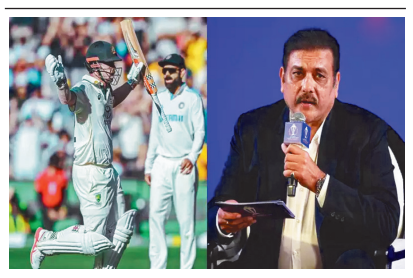

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में क्यों चल रहा है ट्रेविस हेड का बल्ला, रवि शास्त्री ने खोल दिया सफलता का राज

मेलबर्न, एजेंसी। पूर्व भारतीय हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि 'शॉर्ट बॉल' को जल्दी परखने की क्षमता ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड को बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में शानदार सफलता दिलाई है। उन्होंने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि मेहमान टीम इस 'सिरदर्द' के लिए दवा ढूंढना चाहेगी। सीरीज की अपनी पहली पारी में 11 रन पर आउट होने के बाद हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89, 140 और 152 रन बनाए हैं। उन्होंने गुलाबी गेंद के टेस्ट में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी।

रवि शास्त्री ने हेड पर क्या बोले?

आईसीसी रिव्यू वीडियो में रवि शास्त्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह (हेड) बहुत स्मार्ट है। मैंने उन्हें तीन साल पहले देखा था लेकिन अब लगता है कि उनमें काफी सुधार हुआ है। विशेष रूप से वह जिस तरह 'शॉर्ट बॉल' को खेलते हैं। वह इसे छोड़ने के लिए तैयार रहते हैं। उन्होंने कई बार इसे अच्छी तरह छोड़ना भी सीख लिया है।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर लोकप्रियता में भी 'किंग हैं कोहली

प्रशंसकों को बड़ी पारी का इंतजार

मेलबर्न, एजेंसी। दो साल पहले जब उन्होंने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 53 गेंद में नाबाद 82 रन बनाकर भारत को असंभव सी जीत दिलाई तो मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर जमा 90000 से अधिक दर्शकों की जुबां पर एक ही नाम था ..विराट कोहली। क्रिकेट की किवदंतियों में शुमार इस पारी से उन्होंने अपने आलोचकों को भी करारा जवाब दिया। दो साल बाद प्रारूप अलग है लेकिन हालात वही।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पहले मैच में पर्थ में शतक जमाने के बाद बाकी 5 पारियों में कोहली 26 रन ही बना सके हैं। लेकिन उनके प्रशंसकों को यकीन है कि अपने पसंदीदा मैदान एमसीजी पर उनका बल्ला जमकर चलेगा। यहां उनकी लोकप्रियता का आलम यह है कि टूर गाइड से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक सभी की जुबां पर उन्हीं का नाम है। एमसीजी पर ऑस्ट्रेलियाई खेल संग्रहालय के टिकट काउंटर पर पहुंचते ही कोहली की तस्वीरों से ही सामना होता है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर 2018-19 में पहली बार श्रृंखला जीतने के बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को चूमते हुए और एमसीजी पर तीसरे टेस्ट में टीम के साथ जश्न मनाते हुए कोहली की तस्वीरें यहां लगी हैं। इसके साथ ही लिखा है, 'कोहलीस कांकरर्स (कोहली की विजेता टीम) .. ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट श्रृंखला जीतने का भारत का इंतजार 2018-19 में खत्म हुआ। एमसीजी टूर कराने वाले गाइड डेविड एक घंटे के टूर में बार-बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी और बॉक्सिंग डे टेस्ट का जिक्र करते हुए इसे 'ब्लॉकबस्टर मैच बताते हैं और कोहली का जिक्र उनकी बातों में बार बार आता है हालांकि उनके अपने पसंदीदा भारतीय क्रिकेटर शानदार फॉर्म में चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह हैं।

डेविड ने कहा, 'यह ऑस्ट्रेलिया में सबसे बड़ा टेस्ट है और भारत ऑस्ट्रेलिया मुकाबले से ज्यादा रोमांचक क्या हो सकता है। मुझे इसका बेताबी से इंतजार है। पर्थ में पहले टेस्ट में विराट ने शानदार पारी खेली जिसकी उसे और भारतीय टीम को बहुत जरूरत थी।

वह यहां काफी लोकप्रिय हैं लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि उनका बल्ला यहां नहीं चले। उन्होंने आगे कहा, 'जसप्रीत बुमराह मेरा फेवरिट है जिसने 2018 में एमसीजी पर ही 33 रन देकर छह विकेट लिए और भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी भी जीती थी। इस श्रृंखला में भी पर्थ में शानदार गेंदबाजी के साथ बेहतरीन कप्तानी भी की। उनके फॉर्म को देखते हुए वह भारत के लिए ट्रंपकार्ड होंगे लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि वह एक बार यहां फिर पारी के पांच विकेट नहीं लें। कोहली ने पहला बॉक्सिंग डे टेस्ट अपने पदार्पण वर्ष 2011 में खेलकर सातवें नंबर पर उतरकर पहली पारी में 11 रन बनाए थे और दो कैच भी लपके थे। दूसरी पारी में वह खाता नहीं खोल सके। फिर 2014 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में यहां चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 169 रन बनाए और अजिंक्य रहाणे के साथ 262 रन की साझेदारी की। दूसरी पारी में भी 54 रन बनाकर उन्होंने मैच ड्रॉ कराने में अहम भूमिका निभाई। पिछली बार 2018 में कप्तान कोहली ने पहली पारी में इस मैदान पर 82 रन बनाये लेकिन दूसरी पारी में खाता नहीं खोल सके लेकिन मिचेल मार्श और आरोन फिंच के कैप लपके।

बुमराह ने 9 विकेट लेकर भारत की 137 रन से जीत की नींव रखी और बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में 2-1 की बढ़त बनाई। कोहली दुनिया के दूसरे सबसे बड़े मैदान पर अब तक तीन टेस्ट में 52.66 की औसत से 316 रन बना चुके हैं जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। भारत के लिए एमसीजी पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सचिन तेंदुलकर (10 मैचों में 449) से वह 133 रन और रहाणे (6 मैचों में 369 रन) से 53 रन पीछे हैं।

पर्थ में रहने वाली गुजरात की सलोनी खास तौर पर मेलबर्न टेस्ट देखने क्रिसमस की छुट्टियों में यहां आई हैं। उन्होंने कहा, 'पहली बार मैने पर्थ में स्टेडियम में टेस्ट देखा और बहुत खुशी है कि विराट ने उस मैच में शतक जमाया। बाकी मैचों को लेकर काफी रोमांचित हूं। मेलबर्न में बहुत अच्छा मैच होने वाला है। मुझे विराट की आक्रामकता बहुत पसंद है। मैदान पर उन्हें देखने में मजा आता है। वह कैच भी बहुत अच्छे लपकते हैं और उनकी फिटनेस का जवाब नहीं है। वहीं क्रायोन मैथ्यूज का मानना है कि उनकी टीम को कोहली से सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा, 'मैं मेलबर्न टेस्ट के लिए बहुत रोमांचित हूं।

रोहित शर्मा को लगी चोट, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

नईदिल्ली, एजेंसी। मेलबर्न में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट से कुछ दिन पहले टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा को नेट सेशन के दौरान घुटने में चोट लग गई। उन्होंने दर्द के बावजूद खेलना जारी रखने की कोशिश की, लेकिन आखिरकार उन्हें डॉक्टर के पास जाना पड़ा।

रोहित को एक कुर्सी पर बैठे देखा गया, उन्होंने अपना गियर उतार दिया और बाएं घुटने पर पट्टी बांध दी। हालांकि चोट शुरू में गंभीर नहीं दिखी, लेकिन एमसीजी मुकाबले से पहले फिजियो उनकी स्थिति पर बारीकी से नजर रखेंगे। भारतीय टीम के सभी सदस्य नेट सेशन में हिस्सा लेते हैं, जिसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी ताकत से गेंदबाजी करते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, मोहम्मद सिराज और आकाश दीप जैसे खिलाड़ियों ने भी नेट सेशन में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

ओलिंपिक मेडलिस्ट हॉकी कैप्टन हरमनप्रीत को खेल रत्न मिलेगा

30 खिलाड़ियों को अर्जुन अवॉर्ड दिया जाएगा, इनमें 13 पैरालिंपियन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को खेल रत्न अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। उनकी कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। उनके अलावा एक पैरा एथलीट को भी खेल रत्न दिया जाएगा। पैरालिंपिक 2024 में शूटिंग में 4 मेडल जिताने वाले सुभाष राणा को द्रोणाचार्य अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। एक अन्य कोच को भी द्रोणाचार्य अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। नेशनल स्पोर्ट्स अवॉर्ड कमेटी की बैठक में यह फैसला किया गया है। नेशनल अवॉर्ड कमेटी की बैठक पिछले हफ्ते हुई थी।सूत्रों ने बताया कि 2024 में 30 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार दिया जाएगा, जिसमें 17 खिलाड़ी सामान्य और 13 पैरालिंपिक खिलाड़ी हैं। पैरालिंपिक गेम्स 2024 में मेडल जीतने वाली सभी पैरा एथलीट, जिन्हें पहले अर्जुन पुरस्कार नहीं मिला है, उन सभी को यह सम्मान मिलेगा। पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारत ने 29 मेडल जीते थे। इनमें 7 गोल्ड, 9 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज मेडल शामिल थे। हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने पेरिस ओलिंपिक में ब्रॉन्ज जीता हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में ब्रॉन्ज और एशियन गेम्स 2022 में गोल्ड मेडल जीता था। वहीं, हरमनप्रीत तीन बार स्न्द्ध॥ अवार्ड्स में प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीते हैं।